Regarding liquor policy

श्री वीरेन्द्र सिंह **(**चन्दौली**) :** सभापति मैडम, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद ।

मैडम, बड़े प्रयास के बाद मुझे यह मौका मिला है कि मैं अपनी बात कहूं । मैं उत्तर प्रदेश के चन्दौली जनपद से आता हूं । जहां तक मैं देखता हूं, तो पाता हूं कि शराब की दुकानें गरीब समाज, जैसे मलाह, बिन्द, बियार, अनुसूचित, आदिवासी, इन सब क्षेत्रों में, जहां इन लोगों की बाहुल्यता है, उनके गांवों के बीच में देशी शराब के ठेके खोले जा रहे हैं ।

मैडम, आज स्थिति यह है कि गांवों में अराजकता फैली हुई है और सरकार की निगाह यह है कि जैसे वह आरक्षण में गरीब और पिछड़ों का अधिकार लूट रही है, उसी तरीके से राजीनति में शराब के द्वारा चुनाव के दौरान उनको गुमराह करके उनका वोट लूट लिया जाए ।

अत: मैं आपके माध्यम मांग करता हूं कि शराब की नीति में गांवों के अंदर अनुसूचित, विशेष रूप से बिन्द, बियार और तमाम गरीब जाति के लोग ? (व्यवधान)

माननीय सभापति **:** माननीय सदस्य, श्री तेजस्वी सूर्या जी ।

? (व्यवधान)

श्री वीरेन्द्र सिंह **:** मैडम, मांग तो रखने दीजिए । ? (व्यवधान)